YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**DAINIK BHASKAR**

दैनिक भास्कर

फरीदाबाद, गुरुवार 16 फरवरी, 2017 |2

दीक्षांत समारोह | वाईएमसीए विवि में हुए दीक्षांत समारोह में 2072 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं

# देश का भविष्य विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स पर निर्भर करता है : सोलंकी

- शिक्षामंत्री राम बिलास शर्मा ने कहा कि सरकार ने गीता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है
- गीता केवल एक पवित्र धार्मिक ग्रन्थ नहीं है, अपितु जीवन का सार है

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2014 से 2016 तक के विभिन्न विभागों से पीएचडी, स्नातकोत्तर व स्नातक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले 2072 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। विश्वविद्यालय ने 20 पीएचडी, 769 स्नातकोत्तर व 1283 स्नातक उपाधियों के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण पदक प्रदान किए। दीक्षांत समारोह का आकर्षण विद्यार्थियों की भारतीय वेशभूषा रही। दीक्षांत समारोह के दौरान पहने जाने वाले काले गाउन व चौकोर टोपी के स्थान पर विद्यार्थी कुर्ता-पायजामा, साड़ी व दुपट्टे या पटके जैसे परिधानों में नजर आए।

फरीदाबाद. दीक्षांत समारोह में छात्र को डिग्री देते राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी।

## राज्यपाल ने कहा- डिग्री दिखावा मात्र नहीं होनी चाहिए

इस मौके पर मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को राष्ट्र की प्रगति का माध्यम बनाए। उन्होंने कहा विद्यार्थियों द्वारा अर्जित डिग्री दिखावा मात्र नहीं होनी चाहिए। बल्कि यह समाज व राष्ट्र की प्रगति के लिए होनी चाहिए। देश का भविष्य विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर निर्भर करता है। राज्यपाल ने कहा कि आज राष्ट्र युवा तकनीकीविदों को आशा भरी निगाहों से देख रहा है। जो मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्ट-अप जैसे कार्यक्रमों का हिस्सा बनकर देश की प्रगति में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा यह संस्थान 1969 में इंडो-जर्मन परियोजना के तहत स्थापित हुआ था। वर्ष 2009 में इसे विश्वविद्यालय का दर्जा हासिल हुआ। विश्वविद्यालय बनने के महज सात-आठ वर्षों के भीतर विश्वविद्यालय ने 'ए' ग्रेड नैक मान्यता हासिल करने में सफलता हासिल की।

## विद्यार्थी एक जीवन-एक मिशन के सिद्धांत को अपनाएं

इस मौके पर शिक्षामंत्री राम बिलास शर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में दीक्षांत समारोह की परंपरा गुरु व शिष्य के बीच संबंध का परिचायक है, जो विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराती है। शिक्षामंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गीता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। गीता केवल एक पवित्र धार्मिक ग्रन्थ नहीं है, अपितु जीवन का सार है। गीता शिक्षा, ज्ञान और विज्ञान है। यह सभी शंकाओं का समाधान है। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए आह्वान किया कि विद्यार्थी एक जीवन-एक मिशन के सिद्धांत को अपनाएं। अपने जीवन में जो भी करें पूरी निष्ठा और लगन से करें। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक मांग के अनुरूप कई अन्य नए पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है। उन्होंने कहा विद्यार्थियों को रोजगार दिलाने के मामले में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। वर्ष 2016 में विश्वविद्यालय 95 प्रतिशत विद्यार्थियों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट कराने में सफल रहा है। आईआईटी रूड़की के पूर्व निदेशक प्रो. प्रेमवत ने कहा ज्ञान और तकनीकी मानवता की भलाई के लिए होनी चाहिए। इस दृष्टि से विश्वविद्यालय के शिक्षक राष्ट्र के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक व्यवसाय नहीं है। यह राष्ट्र की उन प्रतिभाओं का निखारने का एक अवसर है, जिनके कंधों पर राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य है। उन्होंने कहा कि तकनीकी युग में इंटरनेट से अर्जित ज्ञान केवल जानकारी उपलब्ध कराता है। जबकि मार्गदर्शन, प्रेरणा और सही ज्ञान गुरु के माध्यम से ही मिलता है। शिक्षा ज्ञान, कौशल व दृष्टिकोण को केन्द्र में रखकर मानव विकास की प्रक्रिया है। राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**DAINIK TRIBUNE**

वाईएमसीए विवि में दीक्षांत समारोह, प्रो. सोलंकी बोले

# 'डिग्री मात्र दिखावा नहीं होनी चाहिए'

फरीदाबाद, 15 फरवरी (हप्र)

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने आज विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को राष्ट्र की प्रगति का माध्यम बनाये। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा अर्जित डिग्री दिखावा मात्र नहीं होनी चाहिए बल्कि यह समाज व राष्ट्र की प्रगति के लिए होनी चाहिए क्योंकि देश का भविष्य विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर निर्भर करता है।

राज्यपाल प्रो. सोलंकी जोकि वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी है, आज विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह में वर्ष 2014 से 2016 तक विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से पीएचडी, स्नातकोत्तर तथा स्नातक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले कुल 2072 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गयीं। विश्वविद्यालय ने 20 पीएचडी, 769 स्नातकोत्तर तथा 1283 स्नातक उपाधियों के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में राज्यपाल ने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में जिम्मेदारी और नैतिकता के गुणों का आत्मसात करें। इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में दीक्षांत समारोह की परम्परा गुरु-शिष्य परंपरा संबंधों का परिचायक है, जो विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास करवाती है।

फरीदाबाद में बुधवार को वाईएमसीए विश्वविद्यालय में छात्रा को डिग्री प्रदान करते राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी। -शिव

## मुख्य आकर्षण भारतीय वेशभूषा

इस बार, दीक्षांत समारोह का मुख्य आकर्षण विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की भारतीय वेशभूषा रही। दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में पहने जाने वाले काले गाउन तथा चौकोर टोपी के स्थान पर विद्यार्थी कुर्ता-पजामा, साड़ी तथा दुपट्टे या पटके जैसे परिधानों में नजर आये। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य, पदाधिकारी तथा अतिथि भी इसी वेशभूषा में दिखाई दिये।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 16 February 2017
epaper.dainiktribuneonline.com/c/16890981

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**AMAR UJALA**

# विद्यार्थी देश हित में करें ज्ञान का प्रयोग : राज्यपाल

दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी।

**फरीदाबाद (ब्यूरो)।** हरियाणा के राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा अर्जित डिग्री का प्रयोग देश एवं समाज की प्रगति के लिए होना चाहिए। वह बुधवार को वाईएमसीए विश्वविद्यालय के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर वर्ष 2014 से 2016 तक विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से पीएचडी, स्नातकोत्तर तथा स्नातक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले 2072 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं। विश्वविद्यालय ने 20 पीएचडी, 769 स्नातकोत्तर और 1283 स्नातक उपाधियों के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के 13 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक देकर सम्मानित किया गया। डिग्रियां प्राप्त कर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री ने इस दौरान विद्यार्थियों को जीवन में सफल होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि युवा मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्ट-अप जैसे कार्यक्रमों का हिस्सा बनकर देश की प्रगति में योगदान दे सकते हैं।

शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने कहा कि दीक्षांत समारोह की परंपरा गुरु व शिष्य के बीच संबंध का परिचायक है। जो विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास करवाती है। राज्य सरकार ने गीता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है अपितु ज्ञान, विज्ञान, सभी शंकाओं का समाधान है। कुलपति दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का उल्लेख किया।

आईआईटी रूड़की के पूर्व निदेशक प्रेम व्रत ने कहा कि तकनीकी युग में इंटरनेट से अर्जित ज्ञान केवल जानकरी उपलब्ध करवाता है। जबकि मार्गदर्शन, प्रेरणा और सही ज्ञान गुरु के माध्यम से ही मिलता है। कुल सचिव संजय कुमार शर्मा ने आभार जताया।

# YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**PUNJAB KESARI**

वीरवार THURSDAY 16 फरवरी 2017 फरीदाबाद केसरी

# 2072 विद्यार्थियों को बांटी डिग्रियां

## शिक्षा को राष्ट्र के प्रगति का माध्यम बनाएं: सोलंकी

फरीदाबाद, 15 फरवरी (सूरजमल): हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने बुधवार को विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को राष्ट्र की प्रगति का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा अर्जित डिग्री दिखावा मात्र नहीं होनी चाहिए बल्कि यह समाज व राष्ट्र की प्रगति के लिए होनी चाहिए क्योंकि देश का भविष्य विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर निर्भर करता है। राज्यपाल प्रो. सोलंकी वाईएमसीए विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। हरियाणा के शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार तथा आईआईटी रुड़की के पूर्व निदेशक प्रो. प्रेम व्रत ने भी संबोधित किया। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2014 से 2016 तक विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से पीएचडी, स्नातकोत्तर तथा स्नातक परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले कुल 2072 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई।

विवि ने 20 पीएचडी, 769 स्नातकोत्तर तथा 1283 स्नातक उपाधियों के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावी विद्यार्थियों को 13 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल ने कहा कि इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी भाग्यशाली हैं, जिन्हें तकनीकी शिक्षा हासिल हुई है क्योंकि 21वीं सदी में देश को नहीं अपितु विश्वभर को मांग है। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्र युवा तकनीकीविदों को आशा भरी निगाहों से देख रहा है जो मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्ट-अप जैसे कार्यक्रमों का हिस्सा बनकर इस देश की प्रगति में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में दीक्षांत समारोह की परम्परा गुरु व शिष्य के बीच संबंध का परिचायक है जो विद्यार्थियों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास करवाती है। शिक्षामंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गीता को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है क्योंकि गीता केवल एक पवित्र धार्मिक ग्रन्थ नहीं है अपितु जीवन का सार है। गीता शिक्षा, ज्ञान व विज्ञान है। यह सभी शंकाओं का समाधान है। इससे पूर्व कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अपने स्वागतीय संबोधन में अतिथियों का अभिनंदन किया व वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

**भारतीय वेश-भूषा में प्राप्त की डिग्रियां:** वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह का मुख्य आकर्षण विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को भारतीय वेशभूषा रही। दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में पहने जाने वाले काले गाउन तथा चौकोर टोपी के स्थान पर विद्यार्थी कुर्ता-पजामा, साड़ी तथा दुपट्टे या पटके जैसे परिधानों में नजर आएंगे।

*राज्यपाल प्रो. सोलंकी वाईएमसीए विवि के द्वितीय दीक्षांत समारोह में पुहंचे।*

पंजाब केसरी ई पेपर Thu, 16 February 2017
epaper.punjabkesari.in//c/16891080

# YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**HINDUSTAN**

पहली बार दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों ने काले गाउन की बजाय सफेद कुर्ता पयजामा और काली चप्पल पहन राज्यपाल से डिग्री ली

# भारतीय परिधानों में पहली बार डिग्री पाकर गदगद हुए छात्र

**आयोजन**

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्र भारतीय परिधान में डिग्री लेकर गदगद हुए। विश्वविद्यालय में पहली बार दीक्षांत समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस दौरान काले गाउन की बजाय सफेद कुर्ता पयजामा और काली चप्पल पहनकर डिग्री ली, जबकि छात्राओं ने सफेद रंग की साड़ी गोल्डन बार्डर के साथ पहनी हुई थी। कुछ छात्राएं सफेद रंग की कमीज और सलवार पहनी हुए थी। दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों से बातचीत के दौरान उन्होंने यह खुशी जाहिर की। छात्रों में उत्साह का अंदाजा इससे लगाया जा सकता था कि समारोह शुरू होने से पहले वो अभ्यास कर रहे थे। वहीं, समारोह खत्म होने के बाद विभिन्न संकाय के छात्र और शिक्षक ग्रुप बनाकर सेल्फी ले रहे थे। इसके साथ ही कई जगहों पर छात्र-छात्राएं ग्रुप में खड़ी होकर दीक्षांत सामारोह के विषय में ही चर्चा कर रही थी।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बुधवार को राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने भारतीय परिधान में छात्रों को डिग्री दी। • सुमन शर्मा

## भारतीय छात्रों की विदेशों में मांग बढ़ी: राज्यपाल

देश के मात्र 11 फीसदी छात्र ही उच्च शिक्षा ले रहे हैं, जबकि अमेरिका में यह ग्राफ 80 फीसदी है। इसके बावजूद भी भारतीय छात्रों की देश-विदेश में मांग काफी ज्यादा है। यह कहना है कि प्रदेश के राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी का। बुधवार को उन्होंने वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति द्वितीय दीक्षांत समारोह में भाग लेने औद्योगिक नगरी आए थे।

### 2072 छात्रों को डिग्री मिली

वर्ष 2014, 2015 और 2016 तक विभिन्न पीएचडी, स्नातकोत्तर तथा स्नातक परीक्षाओं में उत्तीर्ण करीब 2072 छात्रों को डिग्री दी गई है। इनमें से 20 पीएचडी, 769 स्नातकोत्तर तथा 1283 स्नातक के छात्र है। 13 छात्रों को स्वर्ण पदक मिले।

### जिम्मेदारी का एहसास

शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में दीक्षांत समारोह की परम्परा गुरु व शिष्य के बीच संबंध का परिचायक है, जो छात्रों की जिम्मेदारियों का अहसास करवाती है।

# YMCA University of Science & Technology

(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**DAINIK JAGRAN**

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 16 फरवरी 2017

वाइएमसीए विवि में दीक्षांत समारोह में छात्रा को डिग्री देते राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी। साथ में हैं शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, उपकुलपति डा.दिनेश कुमार व रजिस्ट्रार प्रो.संजय।

डिग्री लेने के बाद सेल्फी लेती छात्राएं • जागरण

दीक्षांत समारोह में शामिल छात्राएं • जागरण

# छात्र समाज में उजियारा फैलाएं : सोलंकी

## वाइएमसीए विवि के दीक्षांत समारोह में कुर्ता पायजामा और साड़ी पहनकर विद्यार्थियों ने डिग्री ली

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: दीक्षांत समारोह में गाउन पहनकर डिग्री लेने की परंपरा को तोड़ते हुए बुधवार को वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने कुर्ता पायजामा और साड़ी पहनकर डिग्रियां लीं। समारोह में शामिल अतिथियों में राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर वेद प्रकाश, कुलपति डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल सहित स्टाफ के सदस्यों ने भी नए ड्रेस कोड का पालन किया।

राज्यपाल ने डिग्री देने से पहले विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा जीवन में उजियारा फैलाने का काम करती है। उन्होंने कहा कि यह डिग्री विद्यार्थियों को बंद कमरे में भी दी जा सकती थी, लेकिन यहां पर डिग्री देकर विद्यार्थियों को संकल्प दिलाया जाता है कि वह अपनी हासिल की गई शिक्षा से समाज को उजियारा की ओर ले जाएं। उन्होंने कहा कि भारत के विद्यार्थी इतने प्रतिभावान हो चुके हैं कि अमेरिका भी उनसे भय खाने लगा है। अमेरिकी राष्ट्रपति को ऐसा महसूस होता है कि भारतीय विद्यार्थी अमेरिका वासियों का हक छीन रहे है।

### कुल 2052 विद्यार्थियों को दी गई डिग्री

समारोह में विश्वविद्यालय के 2052 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। इसमें वर्ष 2014, 2015 और 2016 में उत्तीर्ण हुए बीटेक के 1283, एमटेक के 367, एमबीए के 164, एमसीए के 90 और एमएससी के 148 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गई। तीनों वर्षों में पहले तीन स्थानों पर रहने वाले स्नातक के विद्यार्थियों स्वर्ण पदक के साथ 75 हजार रुपये की राशि देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने डिग्री लेने के बाद अपने अभिभावकों के साथ सेल्फी भी ली।

वाइएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने के बाद सेल्फी लेते हुए विद्यार्थी • जागरण

### डिग्री लेकर खुशी से झूम उठे विद्यार्थी

पहली बार विश्वविद्यालय में इस तरह के ड्रेस कोड में दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। समारोह में साड़ी पहनकर हमने भारतीय संस्कृति का परिचय दिया। भविष्य में भी समारोह इसी ड्रेस कोड में होना चाहिए।
निधि, छात्रा, बीटेक कंप्यूटर साइंस।

मैं अपने अभिभावकों के साथ दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए आई थी। अभिभावकों को भी विश्वविद्यालय की ओर से लागू किए गए ड्रेस कोड की सराहा
ज्योति, बीटेक कंप्यूटर साइंस।

डिग्री लेने से ही मेरा दायित्व पूरा नहीं होता। मैं समाज में शिक्षा का उजाला फैलाने का प्रयास करूंगी। विश्वविद्यालय से निकलकर ही हमारी असली प्रतियोगिता शुरू हुई है।
विनित, बीटेक कंप्यूटर साइंस।

जब विश्वविद्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया कि साड़ी पहनकर दीक्षांत समारोह में शामिल होना होगा तो थोड़ा अजीब लगा, लेकिन हर विश्वविद्यालय में इसी तरह का ड्रेस कोड लागू होना चाहिए।
निहारिका,
एमसीए कंप्यूटर साइंस।

यह दिन काफी गर्व का होता है। जब हमें अपने जीवन भर की मेहनत का फल मिलता है। मेरा प्रयास रहेगा कि शिक्षा के उजाले को दूर-दूर तक फैलाएंगे।
रिचा राजपूत,
एमबीए।

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**NAVBHARAT TIMES**

फटाफट खबरें

# मिली डिग्री

■ **वस, फरीदाबाद :**
वाईएमसीए यूनिवर्सिटी के दूसरे दीक्षांत समारोह में बुधवार को हरियाणा के राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी और शिक्षामंत्री रामबिलास शर्मा पहुंचे। राज्यपाल एवं शिक्षामंत्री ने कहा कि युवा मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप आदि का हिस्सा बनकर देश की प्रगति में योगदान दे सकते हैं। शिक्षामंत्री ने कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान और सभी शंकाओं का समाधान है। वाइस चांसलर दिनेश कुमार ने यूनिवर्सिटी की उपलब्धियों का उल्लेख किया। आईआईटी रूड़की के पूर्व निदेशक प्रेमव्रत ने भी संबोधित किया।

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**HARIBHOOMI**

# शिक्षा को राष्ट्र की प्रगति का माध्यम बनाए : राज्यपाल

**चंडीगढ़।** राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा को राष्ट्र की प्रगति का माध्यम बनाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों द्वारा अर्जित डिग्री दिखावा मात्र नहीं होनी चाहिए बल्कि यह समाज व राष्ट्र की प्रगति के लिए होनी चाहिए क्योंकि देश का भविष्य विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर निर्भर करता है। राज्यापाल प्रो.सोलंकी जो कि वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी है, आज विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2014 से 2016 तक विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से पीएचडी, स्नातकोत्तर तथा स्नातक उत्तीर्ण करने वाले कुल 2072 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई।

वाईएमसीए में दीक्षांत में बोले

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**THE TRIBUNE**

# YMCA university students get degrees

**Faridabad:** Governor Kaptan Singh Solanki on Wednesday urged the students to use education as a tool for nation's progress. The Governor was here to attend second convocation of the YMCA University of Science and Technology. Education Minister Ram Bilas Sharma was also present on the occasion. He said the YMCA, upgraded as state university, bagged 'A' grade by NAAC in its very first attempt and was the second technical university of the state to do so. Education Minister Ram Bilas Sharma urged the students to adopt 'One Life-One Mission' as their motto. A total of 2,072 degrees were awarded to students on completion of PhD, post-graduate and graduate courses. The university awarded 20-PhD, 769 postgraduate and 1,283 undergraduate degrees. The Governor also presented 13 gold medals to meritorious students. TNS

The Tribune (Haryana Edition) Thu, epap

**NEWS CLIPPING: 16.02.2017**

**THE PIONEER**

# Haryana Governor urges students to utilise education for nation

PNS ■ CHANDIGARH

Haryana Governor Kaptan Singh Solanki on Wednesday urged the students to utilise their education as an instrument for the transformation and progress of the nation.

The degrees conferred on them are not just showpieces, as the future of the country depends upon the students in the Universities, said Solanki, while addressing the second convocation of YMCA University of Science and Technology, Faridabad.

As many as 2,072 degrees were awarded to students who have completed PhD, post-graduation and graduation from different Departments of the University from 2014 to 2016. The University awarded 20 PhD, 769 post-graduate degrees and 1,283 under-graduate degrees, along with 13 gold medals to the meritorious students of different courses.

As per the new dress code, students, faculty members and guests wore traditional Indian dresses.

**DAILY POST**

**Short Stories**

## 'Students must utilise edu for progress of nation'

CHANDIGARH: Haryana Governor, Prof Kaptan Singh Solanki on Wednesday urged the students to utilise their education as an instrument for the transformation and progress of the nation. The degrees conferred on them are not just showpieces, as the future of the country depends upon the students in the Universities, he added. Prof. Solanki, who is also the Chancellor of the University, was addressing the second convocation of YMCA University of Science and Technology, Faridabad, at Faridabad. Education Minister Ram Bilas Sharma, was the guest of honour on the occasion. The convocation address was delivered by former Director, IIT Roorkee, Prof Prem Vrat. DP